RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार 07जुलाई 2025 वर्ष 07 अंक 79 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

185 लाख टन कचरे का निपटारा करने आई तीन कंपनियां

Page - 3

हिंदी की अनिवार्यता के खिलाफ आज मुंबई में प्रदर्शन...

राज और उद्धव ठाकरे दे सकते हैं समर्थन

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र सरकार की त्रिभाषा नीति के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन अब और तेज हो गया है. 7 जुलाई को मुंबई के आजाद मैदान में ''शालेय शिक्षण अभ्यास समिति'' के नेतृत्व में एक बड़ा आंदोलन होने जा रहा है. इस आंदोलन को राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) का भी समर्थन मिल सकता है. सरकार द्वारा त्रिभाषा फॉमूर्ला लागू करने के लिए गठित प्रोफेसर नरेंद्र जाधव समिति के गठन को लेकर विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है. समिति के सदस्य और शिक्षाविद दीपक पवार ने कहा कि 7 जुलाई को सुबह से आजाद मैदान में राज्यभर के लोग सरकार के निर्णय के खिलाफ एकत्रित होंगे. उन्होंने स्पष्ट किया, ''सरकार ने भले ही दो कदम पीछे हटकर त्रिभाषा नीति के पुराने आदेश रद्द किए हों, लेकिन नरेंद्र जाधव समिति का गठन करके वह चार कदम आगे बढ़ने की तैयारी कर रही है.

यह अस्वीकार्य है.'' पवार ने प्रो नरेंद्र जाधव की नियुक्ति पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि प्रो. जाधव बाल शिक्षा के विशेषज्ञ नहीं हैं, तो उन्हें भाषा नीति जैसे संवेदनशील क्षेत्र की जिम्मेदारी क्यों सौंपी गई?

इस विरोध को मराठी अस्मिता और मातृभाषा के संरक्षण से जोड़कर देखा जा रहा है. राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे पहले ही त्रिभाषा नीति और हिंदी के ''थोपे जाने'' के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल चुके हैं.

12 सूत्रीय मांग पत्र किया जारी

1. शालेय शिक्षण अभ्यास समिति ने आंदोलन से पहले सरकार के समक्ष 12 प्रमुख मांगें रखी हैं, जिनमें से कुछ अहम मांगें इस प्रकार हैं:
2. कक्षा 1 से 5 तक तीसरी भाषा लागू करने की योजना को पूरी तरह से रद्द किया जाए.
3. शालेय शिक्षण मंत्री दादा भुसे और SCERT निदेशक राहुल रेखावर तत्काल इस्तीफा दें.
4. हिंदी भाषा पात्रता परीक्षा को तुरंत बंद किया जाए.
5. NCERT की पुस्तकों की अनिवार्यता पर रोक लगाई जाए.
6. राज्य शिक्षा में हिंदी के बढ़ते प्रयोग पर श्वेतपत्र (White Pper) जारी किया जाए.
7. राजनीतिक समर्थन और सरकार पर निशाना

निरहुआ की ठाकरे ब्रदर्स को खुली चुनौती...

बोले- हिम्मत है तो मुझे भोजपुरी...

मुंबई: मराठी को लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के सड़क पर उतरकर मारपीट करने के बाद 'निरहुआ' के नाम से मशहूर अभिनेता और गायक दिनेश लाल यादव ने ठाकरे बंधुओं (उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे) को चुनौती दी है कि यदि उनमें हिम्मत है तो वे भोजपुरी बोलने पर उन्हें महाराष्ट्र से बाहर निकालकर दिखाएं। उनके इस बयान का पलटवार करते हुए मनसे के एक नेता ने कहा कि अगर यादव में हिम्मत है तो उन्हें महाराष्ट्र का दौरा करना चाहिए।

दिनेश लाल यादव ने समाजवादी पार्टी (सपा) के धर्मेंद्र यादव के खिलाफ आजमगढ़ लोकसभा क्षेत्र से 2024 का चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। यादव ने संवाददाताओं से कहा, मैं खुली चुनौती दे रहा हूं। मैं मराठी नहीं बोलता। मैं भोजपुरी बोलता हूं और महाराष्ट्र में ही रहूंगा।

भाषा को लेकर लोगों में फूट डालने का काम कर रहे ठाकरे बंधु

दिनेश लाल यादव ने मनसे और यूबीटी पर निशाना साधते हुए कहा कि आप गरीब लोगों को क्यों निकाल रहे हैं? अगर आपमें हिम्मत है तो मुझे बाहर निकालिए। मैं आपको चुनौती दे रहा हूं, मुंबई में भी। 'निरहुआ' उर्फ दिनेश यादव ने भाषा को लेकर लोगों के बीच दरार पैदा करने के प्रयासों के पीछे गंदी राजनीति का आरोप लगाया।

उत्तर प्रदेश में बैठकर बयान देने के बजाए महाराष्ट्र में आए

दिनेश यादव ने कहा, कि देश की खूबसूरती भाषाओं की विविधता है और विभिन्न मातृभाषा बोलने वाले लोग सौहार्दपूर्ण तरीके से रह रहे हैं। आप इस खूबसूरती को नष्ट करना चाहते हैं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता यशस्वी किलेदार ने यादव को चुनौती दी कि वे उत्तर प्रदेश में बैठकर इस तरह के बयान देने के बजाय महाराष्ट्र का दौरा करें। किलेदार ने कहा कि उन्हें अपनी चुनौती के बारे में पता चल जाएगा और मनसे कार्यकर्ता गालों पर तमाचा मारेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि मराठी मानुष की एकता से सशंकित भाजपा ऐसे लोगों को बढ़ावा दे रही है।

मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम्स की कार्रवाई, करोड़ों का सोना... ड्रग्स और दुर्लभ वन्यजीव जब्त !

मुंबई : मुंबई एयरपोर्ट कस्टम्स (जोन-III) ने 5 जुलाई 2025 को एक ही दिन में तीन अलग-अलग मामलों में बड़ी जब्तियां करते हुए कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया. यह कार्रवाई नारकोटिक्स ड्रग्स, वन्यजीव संरक्षण और सीमा शुल्क अधिनियमों के तहत की गई. विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर, मुंबई से बैंकॉक आए एक भारतीय नागरिक को CSMI एयरपोर्ट पर रोका गया. जांच के दौरान उसके चेक-इन बैग में छिपाकर रखी गई 9.662 किलो हाइड्रोपोनिक मारिजुआना जब्त की गई, जिसकी अवैध बाजार कीमत 9.66 करोड़ आंकी गई है. आरोपी को NDPS एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया.

जीवित और मृत वन्यजीव बरामद किए गए

प्रोफाइलिंग के आधार पर एक अन्य यात्री को बैंकॉक से मुंबई पहुंचने पर रोका गया. उसके बैग से दुर्लभ प्रजातियों के जीवित और मृत वन्यजीव बरामद किए गए, जिनमें रैकून (Rccoof): 1 जीवित, 3 मृत, ब्लैक फॉक्स स्क्विरलः 3 मृत और ग्रीन इगुआनाः 29 जीवित, 8 मृत शामिल है.

चूंकि ये जीव भारत में स्वदेशी नहीं हैं, उनकी बेहतर सुरक्षा के लिए इन्हें मूल देश लौटाने हेतु एयरलाइंस स्टाफ को सौंप दिया गया. आरोपी को वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट, 1972 और कस्टम्स एक्ट, 1962 के तहत हिरासत में लिया गया. एक अन्य मामले में, दुबई से मुंबई आए दो यात्रियों को रोका गया। उनके शरीर में छिपाकर लाया गया 24 कैरेट सोने का डस्ट और गोल्ड पीस बरामद हुए, जिनका कुल वजन 1.650 किलोग्राम और अनुमानित बाजार मूल्य 1.49 करोड़ रुपये है. दोनों आरोपियों को कस्टम्स एक्ट, 1962 के तहत गिरफ्तार किया गया.

माहिम रेलवे स्टेशन पर टिकट बुकिंग काउंटर चलाते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया व्यक्ति

मुंबई : माहिम रेलवे स्टेशन पर एक अनाधिकृत व्यक्ति को सरकारी टिकट बुकिंग काउंटर चलाते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। यह घटना रात करीब 8:3 बजे प्लेटफॉर्म नंबर 1, बुकिंग काउंटर नंबर 5 पर हुई और तब से भारतीय रेलवे के भीतर आंतरिक नियंत्रण, निरीक्षण और आधिकारिक प्राधिकरण के संभावित दुरुपयोग के बारे में बड़ी चिंताएँ पैदा हो गई हैं। व्यक्ति की पहचान 36 वर्षीय विनोद तानाजी दबगे के रूप में हुई है, जो पेशे से प्रिंटर रिपेयर तकनीशियन है और ओम साईं नगर, पाइपलाइन रोड, पिसावली, कल्याण (पूर्व) में रहता है। उसे बिना किसी आधिकारिक पदनाम, दस्तावेज या प्राधिकरण के अनारक्षित रेलवे टिकट बेचते हुए पाया गया। उसे मुख्य सतर्कता निरीक्षक संदीप गोलकर, सतर्कता निरीक्षक भाविक द्विवेदी और संजय शर्मा, आरपीएफ हेड कांस्टेबल दिनेश गोस्वामी और अन्य आरपीएफ कर्मियों की एक सतर्क टीम ने पकड़ा। पूर्व सूचना के आधार पर रेलवे सतर्कता दल शाम करीब 7:00 बजे माहिम स्टेशन पहुंचा और अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) काउंटरों पर गतिविधियों की गुप्त निगरानी शुरू कर दी।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

नए आपराधिक कानूनों की स्वीकार्यता...

एक जुलाई, 2024 को भारत ने अपने औपनिवेशिक युग के आपराधिक कानूनों को तीन आधुनिक विधियों- भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) से बदल दिया। इन सुधारों का उद्देश्य नागरिक-केंद्रित, पारदर्शी और प्रौद्योगिकी-सम्मिलित आपराधिक न्याय प्रणाली का निर्माण करना था। लागू होने के पहले दो महीनों में ही इन नए प्रविधानों के तहत 5.56 लाख से अधिक एफआइआर दर्ज हुईं, जो इनकी सक्रिय स्वीकार्यता को दशार्ती हैं। इसके साथ ही 5.6 लाख से अधिक पुलिस, अभियोजन और न्यायिक अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया, जो प्रशासन की तैयारी और प्रतिबद्धता को दशार्ता है। भारतीय न्याय संहिता ने संगठित अपराध, आतंकवाद और भीड़ हत्या जैसे अपराधों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया है, जिससे यह वर्तमान समय की आपराधिक प्रकृति के अनुरूप बन गई है। इसमें कुछ अपराधों के लिए सामुदायिक सेवा को दंड के रूप में शामिल किया गया है, जो दंडात्मक न्याय से सुधारात्मक और पुनवार्सात्मक न्याय की ओर एक संवेदनशील कदम है। हालांकि कई प्रविधान अब भी आइपीसी से मिलते-जुलते हैं, लेकिन यह निरंतरता और परिवर्तन के बीच संतुलन बनाने का एक व्यावहारिक तरीका माना जा रहा है।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता ने प्रक्रिया संबंधी कानून में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। अब नागरिक जीरो एफआइआर और ई-एफआइआर दर्ज कर सकते हैं और केस फाइलें और चार्जशीट डिजिटल रूप में तैयार की जा रही हैं। जांच अधिकारियों को स्मार्टफोन और टैबलेट उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि वे घटनास्थल से तुरंत साक्ष्य एकत्र कर सकें और अपलोड कर सकें। दिल्ली, तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में पुलिस स्टेशनों में वीडियो कांफ्रेंसिंग कक्ष स्थापित किए गए हैं जिससे रिमांड और गवाही की कार्यवाहियां दूरस्थ रूप से की जा सकें। उत्तर प्रदेश इस दिशा में अग्रणी राज्यों में से है। राज्य के सभी 75 जिलों में मोबाइल फारेंसिक वैन तैनात की गई हैं । इसके अलावा 60,000 नए भर्ती पुलिसकर्मियों के लिए नया पाठ्यक्रम तैयार किया गया है, ताकि वे नवीन विधिक व्यवस्था में प्रशिक्षित हो सकें। बीएनएसएस के अंतर्गत मोबाइल फारेंसिक साइंस यूनिट्स का विस्तार एक प्रमुख सुधार है। इसके साथ ही फारेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं को उन्नत किया जा रहा है, ताकि वे साइबर अपराध और डीएनए परीक्षण जैसे जटिल मामलों की जांच कर सकें। हालांकि पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरडी) के 2020 के आंकड़ों के अनुसार देश में केवल 32 पूर्ण रूप से कार्यशील एफएसएल थीं, लेकिन हालिया निवेश से स्थिति में सुधार की दिशा स्पष्ट है।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE
SHARE
COMMENT
SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई: दोनों भाइयों के साथ आने से शिवसेना यूबीटी को फायदा हो सकता

मुंबई: महाराष्ट्र की राजनीति में आने वाले दिनों में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे चुनावी मंचों में भी एक साथ आ सकते हैं। इससे उद्धव की अगुवाई वाली शिवसेना फिर से मजबूत हो सकती है। शनिवार को वर्ली में हुई सभा में 30 हजार से ज्यादा लोग उन्हें एक मंच पर देखने और सुनने आए। इससे साफ हो गया कि यह सिर्फ भाषा का मुद्दा नहीं था। यह शिवसेना के बिखरे हुए गुटों के एकजुट होने का संकेत भी था। 2006 में राज ठाकरे ने शिवसेना से अलग होकर अपनी पार्टी, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना बनाई थी। अब दोनों भाइयों के साथ आने से शिवसेना यूबीटी को फायदा हो सकता है।

निकाय चुनाव में दोनों आ सकते हैं एक साथ?

महाराष्ट्र में आने वाले निकाय चुनावों में दोनों मिलकर चुनाव लड़ सकते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में दोनों को भारी नुकसान हुआ था। इसलिए अब वे साथ आ सकते हैं। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि यह बीजेपी के खिलाफ एक मोर्चा बनाने की कोशिश है। साथ ही एकनाथ शिंदे को भी जवाब देने का प्रयास है। दरअसल शिंदे ने शिवसेना को तोड़कर दो तिहाई नेताओं को अपने साथ ले लिया था।

19 साल बाद दोनों ठाकरे भाई एक साथ

मुंबई में हिंदी भाषा अनिवार्य करने के खिलाफ मराठी लोगों की विजय रैली में 19 साल बाद दोनों ठाकरे भाई एक साथ आए। यह कार्यक्रम शिक्षा के मुद्दे पर था। लेकिन मंच पर राज और उद्धव ठाकरे की एकता का संदेश राजनीतिक था। दोनों भाइयों ने मराठी अस्मिता की बात की। उन्होंने केंद्र सरकार और राज्य सरकार के फैसलों पर सवाल उठाए। इससे पता चलता है कि वे आने वाले निकाय चुनावों में मिलकर चुनाव लड़ने की योजना बना रहे हैं।

विरोधियों से लड़ने के लिए अपनों से समझौते की राजनीति

पिछले 19 सालों में दोनों के रास्ते अलग-अलग रहे हैं। उद्धव ठाकरे ने शिवसेना यूबीटी को कांग्रेस और एनसीपी एसपी के साथ महाविकास अघाड़ी में शामिल किया। वहीं, राज ठाकरे ने मोदी और बीजेपी की तारीफ करते हुए आक्रामक हिन्दुत्व और मराठी मानुस की राजनीति की।

परे ने अप्रैल से जून के दौरान 58.79 करोड़ रुपए का जुमार्ना वसूला

मुंबई : पश्चिम रेलवे द्वारा सभी वैध यात्रियों को सुगम, आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए मुंबई उपनगरीय लोकल ट्रेनों, मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों, पैसेंजर ट्रेनों तथा हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों में बिना टिकट/अनियमित यात्रियों पर अंकुश लगाने हेतु निरंतर गहन टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ वाणिज्य अधिकारियों की देखरेख में प्रेरित टिकट जांच दलों द्वारा अप्रैल से जून की अवधि में विविध टिकट जांच अभियानों के माध्यम से कुल 58.79 करोड़ की राशि वसूल की गई, जो गत वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 13% अधिक है, साथ ही रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य से भी 11% अधिक है। इस वसूली में मुंबई उपनगरीय खंड से प्राप्त 15.90 करोड़ की राशि भी शामिल है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जून 2025 के दौरान बिना टिकट/अनियमित यात्रा तथा बिना बुक किए गए सामान से जुड़े 2.42 लाख मामलों का पता लगाकर 15.24 करोड़ की वसूली की गई। साथ ही, मुंबई उपनगरीय खंड में जून 2025 के महीने में लगभग 90 हजार मामलों का पता लगाकर 4.19 करोड़ का जुमार्ना वसूला गया। एसी लोकल ट्रेनों में अनधिकृत प्रवेश को रोकने के लिए भी बार-बार औचक टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं।

भिवंडी में धरे गये "गांजा गैग" के सदस्य...

74 किलो गांजा के साथ तीन गिरफ्तार

भिवंडी : भिवंडी अपराध शाखा ने शहर में नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 74 किलो 548 ग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी बाजार कीमत करीब 37 लाख 37 हजार 400 रुपए बताई जा रही है। यह कार्रवाई ठाणे अपराध शाखा घटक-2 भिवंडी की टीम ने 3 जुलाई को गुप्त जानकारी के आधार पर की। पुलिस को सूचना मिली थी कि फैजल अकबर अंसारी नामक व्यक्ति मोमिन बाग, दरगाह रोड़ इलाके में गांजा बेचने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जाल बिछाकर आरोपी फैजल अंसारी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में फैजल ने गांजा की सप्लाई एवं बिक्री करने वाले अब्दुल रजमान मुजाहिद अंसारी और अन्वर जमीलुद्दीन अंसारी के

बारे में बताया। इसके बाद पुलिस ने दोनों को भी दबोच लिया और उनके कब्जे से बड़ी मात्रा में गांजा बरामद किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फैजल अकबर अंसारी, निवासी हाजीमलंग वाडी, कल्याण, अब्दुल रहमान मुजाहिद अंसारी, निवासी मोमिनबाग, भिवंडी और अनवर जमीलुद्दीन अंसारी (43), निवासी मोमिनबाग, दर्गा रोड, भिवंडी के रूप में हुए हैं। तीनों के खिलाफ भोईवाडा पुलिस स्टेशन में एन.डी.पी.एस कायदा के तहत केस दर्ज किया गया है।

मुंबई: दोनों भाइयों के साथ आने से हमारी महायुति को और भी फायदा होगा; महा विकास अघाड़ी टूट जाएगी - रामदास अठावले

मुंबई: शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) अध्यक्ष राज ठाकरे के फिर से साथ आने से महाराष्ट्र में राजनीतिक चर्चा फिर से शुरू हो गई है। दो दशक बाद एक साथ मंच साझा करते हुए ठाकरे बंधुओं ने मराठी पहचान और हिंदी थोपे जाने के विरोध पर केंद्रित एक नई शुरूआत की घोषणा की, जिससे महत्वपूर्ण चुनावों से पहले राज्य की राजनीति में

संभावित पुनर्संयोजन की संभावना बन गई है।

इस पुनर्मिलन पर प्रतिद्वंद्वियों और सहयोगियों दोनों की ओर से राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आईं। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि इस घटनाक्रम का गठबंधनों पर भी असर पड़ेगा। ''उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे 20 साल बाद साथ आए हैं। देखते हैं हकीकत में क्या होता है। दोनों अब मराठी मुद्दे पर साथ आए हैं, जो अच्छी बात है... इन दोनों भाइयों के साथ आने से हमारी महायुति को और भी फायदा होगा।

नालासोपारा में बड़ा हादसा टला, 15 साल पुरानी इमारत ढही, सभी निवासी सुरक्षित...

नालासोपारा : नालासोपारा पूर्व स्थित 15 साल पुरानी साईराज अपार्टमेंट नामक चार मंजिला इमारत शनिवार दोपहर भारी बारिश के बीच ढह गई। यह घटना दोपहर करीब 3:30 बजे हुई। गनीमत यह रही कि इमारत के सभी निवासियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। नालासोपारा पूर्व के अलकापुरी इलाके में स्थित साईराज अपार्टमेंट नामक यह इमारत 15 साल पुरानी थी। बताया जा रहा है कि इमारत के भूतल पर स्थित एक दुकान में मरम्मत का काम चल रहा था और इसी दौरान दुकानदार ने दुकान के मुख्य पिलर को तोड़ने का प्रयास किया। इसी के चलते शुक्रवार शाम को इमारत एक तरफ झुक गई थी।

प्रशासन की तत्परता ने बचाई जान स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, शुक्रवार को ही इमारत को खाली करने का आदेश दे दिया था। वसई-विरार महानगरपालिका के आयुक्त कार्यालय को तुरंत सूचित किया गया। दमकल विभाग, तकनीकी टीम और 'ई' प्रभाग की सहायक आयुक्त अश्विनी मोरे तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं। अपार्टमेंट में रहने वाले सभी परिवारों को तुरंत निकाला कर सुरक्षित उन्हें पास के एक हॉल में अस्थायी रूप से ठहराया गया। अगले दिन, शनिवार को सुबह से ही शहर में भारी बारिश हो रही थी, जिसके बीच महापालिका के अधिकारियों ने निवासियों का सामान हटाने में मदद की और इमारत को सील कर दिया। जब इमारत ढही, उस समय अंदर कोई नहीं था, जिससे जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ। अग्निशमन विभाग, महापालिका के अधिकारी और पुलिस मौके पर मौजूद रहें और ढही हुई इमारत का मलबा हटाने का काम जारी है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल ने भी घटनास्थल का दौरा किया और मनपा से शहर की सभी जर्जर इमारतों का नियमित निरीक्षण और स्ट्रक्चरल ऑडिट कराने की मांग की, उन्होंने जोर दिया कि ऐसी घटनाएं एक चेतावनी हैं और भविष्य में ऐसी लापरवाही रोकने के लिए मनपा को सख्त कदम उठाने चाहिए।

जर्जर इमारतों का बढ़ता खतरा

इस घटना ने एक बार फिर पुरानी और असुरक्षित इमारतों के रखरखाव और मरम्मत के महत्व को उजागर किया है। गौरतलब है कि जुलाई 2023 में भी नालासोपारा के हनुमान नगर क्षेत्र की जैनम बिल्डिंग पूरी तरह ढह गई थी, हालांकि उस समय भी 50 परिवारों को समय रहते बाहर निकाल लिया गया था। ये घटनाएं दशार्ती है कि क्षेत्र में कई इमारतें जर्जर अवस्था

ठाणे मनपा इन एक्शन !

किराया नहीं दिया तो अब खैर नहीं

ठाणे : ठाणे महानगरपालिका ने किराया नहीं चुकाने वालों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वर्षों से महज 2,000 रुपए मासिक किराये पर मनपा की इमारतों में रह रहे सैकड़ों निवासी अब कार्रवाई के दायरे में आ गए हैं।

मनपा आयुक्त सौरभ राव के निर्देश पर रियल एस्टेट विभाग मंगलवार से विशेष वसूली अभियान शुरू करने जा रहा है, जो सीधे बकाएदारों को निशाने पर लेगा। बात दें कि ठाणे मनपा क्षेत्र में ऐसी 11 इमारतें हैं, जिनमें करीब 3,500 फ्लैट्स हैं। ये फ्लैट उन नागरिकों को अस्थायी तौर पर दिए गए थे, जो सड़कों, विकास परियोजनाओं या खतरनाक इमारतों के कारण विस्थापित हुए थे। इन्हें नाममात्र किराए पर घर तो दे दिए गए, लेकिन कई रहिवासी वर्षों से भुगतान ही नहीं कर रहे। जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ लोगों ने इन फ्लैट्स को किराये पर चढ़ा कर खुद मुनाफा कमाया। एक महिला द्वारा सात फ्लैट्स को अवैध रूप से किराये पर देने और खुद बिना किराया चुकाए रहने की जानकारी ने प्रशासन को चौकन्ना कर दिया है। ऐसे ही मामलों के चलते अब रियल एस्टेट विभाग पूरी तैयारी के साथ मैदान में उत्तर रहा है। सहायक आयुक्त राजेश सोनवणे ने स्पष्ट किया कि इस बार कोई रियायत नहीं दी जाएगी, और सभी बकाएदारों पर नियमों के अनुसार कड़ी कार्रवाई होगी।

185 लाख टन कचरे का निपटारा करने आई तीन कंपनियां

अडानी को धारावी प्रोजेक्ट के लिए दिया गया है भूखंड

मुंबई : देवनार डंपिंग ग्राउंड पर जमा हुए 185 लाख टन कचरे के बायोरिमेडिएशन से नष्ट करने का निर्णय लिया है। मनपा ने कचरे को नष्ट करने के लिए खुदाई, प्रोसेसिंग व छंटाई और निपटान के लिए 2,368 करोड़ रुपए का टेंडर निकाला है। मनपा द्वारा निकाले गए टेंडर पर तीन कंपनियों ने बोली लगाई है। देवनार डम्पिंग ग्राउंड पर जमा कचरे का निपटारा करने के बाद भूखंड अड़ानी को सौप दिया जाएगा। बता दें कि राज्य सरकार ने देवनार डंपिंग ग्राउंड के 235 एकड़ जमीन में से 145 एकड़ जमीन अडानी को धारावी प्रोजेक्ट के लिए

दी है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि देवनार में जमा 14 मंजिल ऊंचा कचरा जो करीब दो करोड़ मीट्रिक टन है। अडानी को दिए गए भूखंड पर जमा हुए 185 लाख टन कचरे का पहले निपटान किया जाना है। मनपा द्वारा कचरे का निपटान करने के लिए निकाले गए टेंडर की प्री-बिड मीटिंग में कुल 21 कंपनियों ने इस टेंडर में रुचि दिखाई थी। मनपा अधिकारियों का कहना है कि टेंडर की कड़ी शर्तों को देखते हुए ज्यादा बड़ी प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं थी। शर्तों के अनुसार किसी भी तरह के जॉइंट वेंचर की अनुमति नहीं दी गई है और कुल 185 लाख टन कचरे की सफाई करना अनिवार्य है। मनपा ने यह टेंडर 14 मई को जारी किया था। इसके बाद तीन बार इसकी अंतिम तिथि बढ़ाई गई। इस प्रोजेक्ट की कुल अवधि तीन साल तय की गई है, जिसमें मशीनरी की तैनाती और मानसून का समय भी शामिल है। टेंडर को अगले सप्ताह खोला जाएगा और सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी को ठेका दिया जाएगा।

देसाई अस्पताल में बंद होगा ब्लड बैंक

इमारत को किया गया जर्जर घोषित...

मुंबई : सांताक्रुज पूर्व स्थित वी.एन. देसाई अस्पताल का ब्लड बैंक जल्द बंद हो जाएगा। ब्लड बैंक जिस इमारत में है, वह इमारत जर्जर घोषित हो गई है, जिसके चलते ब्लड को बंद करने का निर्णय लिया गया है। यह ब्लड बैंक पिछले दो दशकों से काम कर रहा है।

मनपा के एक 2 जून को जारी एक आंतरिक पत्र के अनुसार, 2023 में अस्पताल की इस इमारत का स्ट्रक्चरल ऑडिट किया गया था। ऑडिट में इमारत को सी 2अ श्रेणी में रखा गया, जिसका अर्थ है कि इमारत फिलहाल तत्काल खतरनाक नहीं है, लेकिन बिना बड़े मरम्मत कार्य के इसे लगातार इस्तेमाल करना सुरक्षित नहीं है। मरम्मत के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से इमारत को

खाली करना जरूरी है, जिसके चलते ब्लड बैंक को बंद करना होगा। स्थानीय रहवासियों ने मनपा के इस अचानक लिए गए निर्णय पर नाराजगी जताई है।

स्थानीय रहवासियों को ब्लड के लिए अब दूर जाना पड़ेगा। ज्यादातर मामलों में मनपा के कूपर अस्पताल तक जाना होगा, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ेगा। लोगों ने यह भी चिंता जताई कि मरम्मत के बाद ब्लड बैंक दोबारा खुलेगी या नहीं और एफडीए (खाद्य एवं औषधि प्रशासन) नया लाइसेंस देगा या नहीं, यह पूरी तरह अनिश्चित है। निजी ब्लड बैंकों से आम लोगों को खून प्राप्त करना बहुत महंगा पड़ता है, जबकि मनपा अस्पतालों में यह सुविधा सस्ती या मुफ्त में मिलती है। लोगों की मांग थी कि ब्लड बैंक को अस्पताल की खाली ग्राउंड फ्लोर की जगह पर स्थानांतरित किया जाए लेकिन अधिकारियों ने एफडीए के नियमों का हवाला देते हुए इसे खारिज कर दिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जब अस्पताल प्रशासन को पहले से ब्लड बैंक बंद होने की जानकारी थी तो कोई वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई, खासकर तब जब अस्पताल में रोजाना सर्जरी हो रही हैं।

पालघर : धामणी बांध से पानी छोड़े जाने के बाद सूर्या नदी किनारे के 64 गांवों को अलर्ट

पालघर : पालघर जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण क्षेत्र के प्रमुख जलाशयों में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। मीरा-भायंदर और वसई-विरार महानगरपालिकाओं को पानी की आपूर्ति करने वाला सूर्या प्रोजेक्ट के तहत बना धामणी बांध अब अपनी पूरी क्षमता के करीब पहुंच गया है। बढ़ते दबाव को देखते हुए, बांध प्रबंधन ने धामणी बांध के तीन गेट 40 सेंटीमीटर तक खोल दिए हैं। इससे सूर्या नदी में लगभग 3285 क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा जा रहा है, जिसके कारण नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। निचले इलाकों में

जलभराव और बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, प्रशासन ने डहाणू और पालघर तहसीलों के अंतर्गत सूर्या नदी के किनारे बसे 64 से अधिक गांवों के लिए सतर्कता चेतावनी जारी की है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे नदी के किनारे न जाएं और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। स्थानीय प्रशासन ने संभावित आपात स्थिति से निपटने के लिए राहत एवं बचाव दल तैनात कर दिए हैं। साथ ही, जलस्तर की लगातार निगरानी के लिए एक कंट्रोल रूम भी सक्रिय कर दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन अगले 24 से 48 घंटे अत्यंत महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे नदी के किनारे न जाएं, अफवाहों से बचें और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन के हेल्पलाइन नंबरों पर तुरंत संपर्क करें।

जादू टोना के नाम पर धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

काशिमीरा : जादू टोना के नाम पर एक महिला से धोखाधड़ी करने वाले व्यक्ति को काशिगांव पुलिस ने गिरफ्तार किया है। काशिगांव परिसर में रहने वाली महिला ने काशिगांव पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी की आयोध्या प्रसाद नामक व्यक्ति ने जादू टोना के नाम पर उससे 2 लाख 70 हजार रुपए एवं 84 ग्राम सोने के गहने लेकर फरार हो गया है। शिकायत के अनुसार आयोध्या प्रसाद ने शिकायतकर्ता महिला को बताया की तुम्हारा पति मरने वाला हैं एवं महिला के भाई एवं महिला के पति की शराब छोड़ने के लिए पूजा कराने की बात कह कर उसके साथ यह धोखाधड़ी की थी। शिकायत के बाद काशिगांव पुलिस की अपराध शाखा ने आयोध्या प्रसाद को नई मुंबई के तुर्भे से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से पुलिस ने 94 हजार रुपए, 12 ग्राम सोना के अलावा जादू टोना मे उपयोग किया जाना वाला काला कपड़ा एवं अन्य सामान बरामद किया हैं।

रानीबाग चिड़िया घर में एक साल में 50 जानवर जन्मे, 25 की हुई मौत!

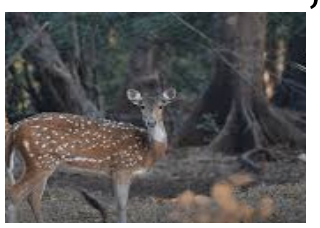

मुंबई : भायखला स्थित वीरमाता जिजाबाई भोसले उद्यान और प्राणी संग्रहालय रानीबाग चिड़िया घर में 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के बीच 50 जानवरों के जन्म और 25 जानवरों की मौत हुई है। यह जानकारी एक सूचना के अधिकार में मांगी गई जानकारी में सामने आई है। रानी बाग चिड़िया घर में एक साल के दौरान जिन 50 जानवरों के जन्म हुए उनमे तीन हम्बोल्ट पेंग्विन के बच्चों (दो नर और एक मादा) 12 कॉकटील पक्षियों, चिता और बार्किंग डियर शामिल हैं। इसके अलावा इस अवधि में रीसस मकाक बंदरों, भारतीय फ्लैपशेल कछुओं और स्टॉर्क पेंटेड पक्षी के बच्चे भी पैदा हुए हैं। दूसरी ओर 25 जानवरों की मौत भी हुई है, जिनमे छह चितल हिरण, तीन भारतीय फ्लैपशेल कछुआ, दो बड्जेरिगर पक्षी, एक सांभर हिरण, एक हाथी, एक धारीदार लकड़बग्घा और एक नवजात स्टॉर्क पेंटेड पक्षी शामिल हैं। सूचना के अधिकार में एक और जानकारी सामने आई है, जिसमे छह साल का लेखा जोखा शामिल है। छह साल के दौरान प्राणी संग्रहालय में जानवरों के जन्म और मृत्यु के आंकड़े सामने आये है। वर्ष 2019 से 2025 के बीच भायखला प्राणी संग्रहालय में कुल 286 जानवरों का जन्म और 275 जानवरों की मौत हुई है। इसमें सबसे खराब स्थिति वर्ष 2020-21 के दौरान रही जब केवल 14 जानवरों का जन्म हुआ और 59 की मौत हो गई। अधिकारियों का कहना है कि कोरोना महामारी के दौरान पैदा हुई चुनौतियों के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई थी।

मुंबई में प्रतिदिन 1.7 टन घरेलू खतरनाक कचरा...

मुंबई : बीएमसी इस्तेमाल किए गए सेनेटरी पैड, डायपर और एक्सपायर हो चुकी दवाओं के संग्रह के लिए विशेष सेवा सुविधा उपलब्ध करा रही है। मुंबई में प्रतिदिन 1.7 टन घरेलू खतरनाक कचरा बीएमसी उठा रही है। बीएमसी डोमेस्टिक सेनेटरी एंड स्पेशल केयर वेस्ट कलेक्शन के तहत इन कचरों का संकलन कर रही है। बीएमसी की कोशिशों के बावजूद अब तक घरेलू खतरनाक कचरों के लिए सोसायटियों और अन्य संस्थानों से बीएमसी को उम्मीद के मुताबिक रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। बीएमसी द्वारा शुरू किए गए इस अभियान को 2 महीने हो चुके हैं। इकट्ठा किए गए कचरे को छह प्लाज्मा इन्सिनेरेशन संयंत्रों में वैज्ञानिक तरीके से नष्ट किया जाता है। इस कचरे में डायपर, सेनेटरी पैड, पालतू जानवरों का कचरा, फेंकी गई दवाइयां, वैक्सिंग शीट, पीपीई किट और फेस मास्क शामिल हैं।

बीएमसी के अभियान का हाल

बीएमसी के आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 1,919 पंजीकरण हुए हैं, जिनमें 1,140 हाउसिंग सोसायटी, 677 ब्यूटी पार्लर, 75 शैक्षणिक संस्थान और 27 महिला छात्रावास शामिल हैं, जिससे करीब साढ़े चार लाख लोग इस पहल से जुड़े हैं। बीएमसी की अडिशनल कमिश्नर डॉ. अश्विनी जोशी ने बताया कि लोग इस अभियान से जुड़ रहे हैं। इसके लिए जागरुकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं। बीएमसी के प्लाज्मा संयंत्रों की कुल क्षमता 40 टन प्रतिदिन है। प्रतिदिन 20 टन घरेलू खतरनाक कचरा इकट्ठा करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए करीब 80% सोसायटियों और अन्य संस्थाओं की हिस्सेदारी जरूरी है। इसमें चार लाख घरों से 20 टन और 7 हजार ब्यूटी पार्लर से 10 टन कचरा मिल सकता है। बीएमसी ने कचरा इकट्ठा करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए क्यूआर कोड आधारित प्रणाली शुरू की है। रजिस्टर्ड संस्थाओं को पीले रंग की थैलियां दी जा रही हैं और रोजाना कचरा उठाने की सुविधा भी शुरू की गई है।

उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद 124 अवैध निमार्णों के खिलाफ कार्रवाई...!

ठाणे : नगर निगम (टीएमसी) के अतिक्रमण विभाग ने अब तक शहर भर में कुल 124 अवैध निमार्णों के खिलाफ कार्रवाई की है। नागरिक अधिकारियों के अनुसार, उच्च न्यायालय के निदेर्शों के बाद टीएमसी ने अपने सभी वार्डों में अनधिकृत संरचनाओं पर कार्रवाई शुरू की। 19 जून से रोजाना तोड़फोड़ की कार्रवाई चल रही है। कार्रवाई के हिस्से के रूप में, मुंब्रा के शील के एमके कंपाउंड क्षेत्र में कार्रवाई के लिए पहचाने गए कुल 21 संरचनाओं में से 18 इमारतों को पहले ही ध्वस्त कर दिया गया है। नगर आयुक्त सौरभ राव के निदेर्शानुसार संबंधित उप नगर आयुक्तों के नेतृत्व में नौ वार्ड कार्यालयों में से प्रत्येक के तहत एक विशेष अतिक्रमण दल का गठन किया गया है।

मुंबई : उद्यमी सुशील केडिया के कार्यालय में तोड़फोड़; एमएनएस के पांच कार्यकर्ता

मुंबई : पुलिस ने शनिवार को बताया कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के पांच कार्यकर्ताओं को वर्ली में उद्यमी सुशील केडिया के कार्यालय में तोड़फोड़ के सिलसिले में हिरासत में लिया गया है। मनसे और उसके प्रमुख राज ठाकरे के खिलाफ हाल में की गई टिप्पणी को लेकर महाराष्ट्र में भाषा विवाद के घेरे में आए उद्यमी केडिया ने कहा कि उन्होंने ये टिप्पणियां जल्दबाजी में की थीं और अब उन्हें अपनी गलती का एहसास हो गया है।

केडिया ने कहा कि उनकी टिप्पणी को कुछ वर्गों द्वारा गलत संदर्भ में लिया गया है। उन्होंने कहा, ''मैंने तनाव के दौरान गलत मानसिक स्थिति में ट्वीट किया था। इसके अलावा, अब इसे तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है और गलत व्याख्या की जा रही है, ताकि ऐसे लोग अपने हितों के अनुरूप इसका लाभ उठा सकें, जो किसी भी विवाद से लाभ उठाना चाहते हैं।''

मुंबई : सस्ते दामों में घर दिलाने का झांसा देकर दो महिलाओं ने कई गरीब परिवारों से करोड़ों रुपये की ठगी

मुंबई : एमएमआरडीए की ओर से सस्ते दामों में घर दिलाने का झांसा देकर दो महिलाओं ने कई गरीब परिवारों से करोड़ों रुपये की ठगी की है। खुद को एमएमआरडीए का सर्वे अधिकारी बताकर उन्होंने सिर्फ आठ लाख रुपये में घर दिलाने का वादा किया और करीब 15 से अधिक लोगों से डेढ़ से दो करोड़ रुपये तक की रकम ऐंठ ली। इस मामले में भांडुप पुलिस ने नीता सराईकर और लक्ष्मी बंडे नाम की दो महिलाओं के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

यह मामला तब सामने आया जब मीरा कांबळे नाम की महिला ने भांडुप पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनकी इमारत में रहने वाली लक्ष्मी बंडे ने उन्हें बताया कि एमएमआरडीए द्वारा बनाए गए घर मात्र आठ लाख रुपये में मिल रहे हैं। इसके बाद लक्ष्मी ने मीरा की मुलाकात नीता सराईकर से करवाई, जो खुद को एमएमआरडीए की ओर से झोपड़पट्टी पुनर्विकास के तहत सर्वे करने वाली अधिकारी बता रही थी।

सराईकर ने दावा किया कि कुर्ला और कांजूरमार्ग इलाके में झोपड़पट्टी वासियों के लिए बने घरों में उन्हें जल्द ही कब्जा दिलाया जाएगा। सस्ते में घर मिलने के लालच में आकर मीरा कांबळे ने अपने परिवार के लिए चार घर लेने का फैसला किया। इसके लिए उन्होंने अपना वर्तमान घर 12 लाख में बेच दिया, जेवर गिरवी रखे, पैतृक जमीन बेची और पतपेढी से कर्ज भी लिया। इस तरह उन्होंने कुल 33 लाख रुपये नकद निता सराईकर को दे दिए। तीन महीने बीत जाने के बाद भी जब घर का कब्जा नहीं मिला, तो कांबळे ने सराईकर से संपर्क किया, लेकिन वह बार-बार बहाने बनाने लगीं।

मुंबई : नाबालिग की संदिग्ध हालात में मृत्यु... रिश्तेदार के घर पर मृत मिला नाबालिग

मुंबई : गोवंडी के शिवाजीनगर इलाके में एक नाबालिग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। परिवार के लोगों ने आरोप लगाया है कि एक रिश्तेदार ने कोल्ड ड्रिंक में जहर मिलाकर उसकी हत्या की है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक यह घटना 29 जून की दोपहर की है, जब नाबालिग घर के पास बाहर गया था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। अगले दिन कुछ भी सूचना न मिलने पर परिजन उसे ढूंढने निकले टैब वह एक रिश्तेदार के घर पर वह बेहोशी की हालत में मिला। तत्काल डॉक्टर को बुलाया गया, लेकिन तब तक नाबालिग की मौत हो चुकी थी। डॉक्टर ने मौत को संदिग्ध बताते हुए पुलिस को सूचित किया। मृतक के पिता के अनुसार, आरोपी रिश्तेदार ने नाबालिग को जबरदस्ती अपने साथ ले जाकर उसे एक ब्रांडेड एनर्जी ड्रिंक की बोतल दी। ड्रिंक पीने के कुछ ही समय बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और वह उल्टी करने लगा। इसके बाद उसकी हालत और गंभीर होती गई और बाद में उसकी मृत्यु हो गई। परिवार का दावा है कि मृतक पिछले कुछ महीनों से आरोपी से दूरी बना रहा था, जिससे आरोपी नाराज था। उन्हें संदेह है कि इसी नाराजगी में उसने बदले की भावना से यह कदम उठाया है। शिवाजीनगर पुलिस में इस संबंध में शिकायत दर्ज कर ली गई है और जांच शुरू कर दी गई है।

दहेज के लिए विवाहिता को किया प्रताड़ित

पति सहित छह ससुराल वालों पर केस दर्ज...

भिवंडी : शहर में दहेज प्रताड़ना की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामला गैबीनगर इलाके से सामने आया है, जहां एक 22 वर्षीय विवाहिता को दहेज के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। पीड़िता की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस ने पति समेत ससुराल के छह लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता की शादी 29 जनवरी 2023 को शाहबाज इब्राहिम अंसारी से हुई थी। विवाह के बाद वह नागांव रोड स्थित सलामतपुरा के सायरा अपार्टमेंट में ससुराल में रह रही थी। आरोप है कि विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष दहेज में कम पैसे, फ्लैट और गाड़ी न मिलने को लेकर उसे ताने मारते रहे और शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना देना शुरू कर दिया। पीड़िता के अनुसार, उसके पति ने न केवल उसे लगातार प्रताड़ित किया बल्कि अंततः उसे मायके छोड़कर वापस नहीं लाया। इससे तंग आकर महिला ने 4 जुलाई को शांतिनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई।

संपर्क कार्यालय : रोहिरा हाउस फ्लैट नो 8 दूसरा माला पाकीजा बेकरी के सामने कैडल रोड माहिम पश्चिम मुंबई ४०००१६
मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com
www.rokthoklekaninews.com facebook@rokthoklekhani youtube@rokthoklekhani twitter@rokthoklekhani